**परोपकार**

परोपकार का अर्थ है दूसरों की भलाई करना, बिना किसी स्वार्थ के। यह एक बहुत ही महान गुण है, जो इंसान को सच्चे अर्थों में इंसान बनाता है।
जब हम किसी की मदद करते हैं, तो हमें अंदर से खुशी और संतोष मिलता है। गरीबों को भोजन देना, बूढ़ों की सेवा करना, बीमारों की मदद करना — ये सब परोपकार के उदाहरण हैं। परोपकार से समाज में प्रेम, दया और भाईचारे की भावना बढ़ती है।हमारे धर्मों में भी परोपकार को बहुत महत्त्व दिया गया है। भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, गुरुनानक देव जी और महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्तियों ने हमेशा दूसरों की सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म माना है। छात्रों को भी परोपकार की भावना अपनानी चाहिए। वे अपने दोस्तों की पढ़ाई में मदद कर सकते हैं, ज़रूरतमंदों को किताबें और कपड़े दे सकते हैं और स्कूल में सफाई तथा अनुशासन बनाए रखने में सहयोग कर सकते हैं।परोपकार न केवल दूसरों की मदद करता है, बल्कि हमें एक अच्छा इंसान भी बनाता है। यदि हर कोई थोड़ा-थोड़ा परोपकार करे, तो हमारा समाज और देश दोनों ही सुखी और समृद्ध बन सकते हैं।